खबर संक्षेप

विशेष गहन पुनरीक्षण अंतर्गत बी.एल.ओ. के कार्यों का सतत निरीक्षण

मण्डला। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र 107.मंडला में नियुक्त अधिकारियों द्वारा बीएलओ के कार्यों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा मतदाताओं से संपर्क स्थापित कर नाम जोड़नेए सुधारने एवं हटाने की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी जा रही है। साथ ही यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो सके। इसके अलावा मंडला नगरीय क्षेत्र अंतर्गत स्थित सभी मतदान केंद्रों की मैपिंग की जानकारी ली गई। इस दौरान अधिकारियों द्वारा मतदान केंद्रों के भौगोलिक स्थानए पहुँच मार्गए मूलभूत सुविधाओं एवं मतदाताओं की सुविधा से संबंधित बिंदुओं की समीक्षा की गई। निर्वाचन कार्यों की सुचारू रूप से सम्पन्नता हेतु आवश्यक सुझाव एवं निर्देश भी प्रदान किए गए।

मण्डला-बिछिया मार्ग पर वाहनों की चैकिंग की गई

मण्डला। परिवहन आयुक्त ग्वालियर एवं कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार राजस्व, पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा शनिवार को मण्डला.बिछिया मार्ग पर संचालित वाहनों की चैकिंग की गई। चैकिंग के दौरान वाहनों की फिटनेस, परमिट, बीमा, पीयूसी, अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स, व्ही एलटीडी, एस.एल.डी, रेडियम, ओव्हरलोडिंग एवं अधिक किराया लेने आदि की जांच की गई। चैकिंग के दौरान 9 वाहनों पर मोटर यान अधिनियम 1988 की विभिन्न प्रावधानों के तहत 8500 रूपये का समन शुल्क एवं बस क्रमांक डच28.च.1786 बिना परमिट संचालित पाये जाने पर जप्त कर परिवहन कार्यालय मण्डला में सुरक्षार्थ रखा गया है । चैकिंग कार्यवाही में जिला परिवहन अधिकारी बिमलेश कुमार गुप्ताए नायब तहसीलदार रामसिंह उलाडीए यातायात उप निरीक्षक योगेश राजपूत एवं परिवहन कार्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा। चैकिंग लगातार जारी रहेगी।

पैथोलॉजी सेंटरों पर आखिर इतनी नजरें ईनायत क्यों?

बिना पैथोलॉजिस्ट के चल रही पैथालॉजी लेकिन फार्मासिस्ट नहीं तो सील हो रही दवाई दुकानें

*** प्रशासन के दोहरे रवैये से दवा दुकान संचालकों में रोष।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी सिर्फ उसी मुद्दे पर काम करते हैं या सक्रिय होते हैं जिसके निर्देश ऊपर से प्राप्त होते हैं और इन निर्देशों के आधार पर जिला कलेक्टर उन्हें प्रगति करने को कहते हैं हाल ही में जब परासिया छिंदवाड़ा में दवा के गलत उपयोग को लेकर मासूमों की मौत हो गई थी तो प्रदेश सरकार सकते में आई और पूरे प्रदेश में इस मामले में सख्ती से कार्यवाही करने पर मजबूर हुई। प्रदेश सरकार के निर्देश पर ही काफी समय से सुस्त पड़ा औषधि विभाग एकाएक सक्रिय हो गया और तो और वे ड्रग इंस्पेक्टर जो सिर्फ वसूली तक सीमित रहते थे आज दुकान, दुकान जाकर कार्यवाही कर रहे हैं। जिले के प्रशासनिक अधिकारी भी इनके साथ कार्यवाहियों में लगे हुये हैं इस तरह की कार्यवाहियाँ उचित हैं आवश्यक भी हैं और समय-समय पर लगातार होनी भी रहनी चाहिये लेकिन कार्यवाही एक ही दिशा में की जा रही हो तो इसे लोगों के बीच असंतोष होना स्वाभाविक है। लोगों में शासन-प्रशासन के इस दोहरे रवैये को लेकर चर्चा भी होनी स्वाभाविक है लोग कह रहे हैं कि दवा दुकानों में यदि कुछ समय के लिये फार्मासिस्ट मौजूद नहीं है या उसकी क्षणिक अनुपस्थिति में दवा दुकानों से दवाई विक्रय की जा रही है तो यह पूर्णतः गैरकानूनी है और प्रशासनिक अधिकारी एवं ड्रग इंस्पेक्टर इस पर तुरंत कार्यवाही कर रहे हैं और लगे हाथ दवाई दुकानें सील कर दी जा रही हैं।

इसके ठीक दूसरी ओर स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में महत्वपूर्ण भूमिका पैथोलॉजी सेंटर की भी होती है। इन्हीं सेंटरों में बीमारियों के लक्षणों की जांच की जाती है जिसके आधार पर चिकित्सक बीमार को उपचार देते हैं ये सेंटर इतने गंभीर और महत्वपूर्ण किरदार चिकित्सा क्षेत्र में होते हैं कि जरा सी भी गलती या थोड़ी सी भी चूक बीमार के लिये जानलेवा साबित हो सकती है यही कारण है कि बिना पैथोलॉजिस्ट के पैथोलॉजी सेंटर का संचालन नहीं किया जा सकता इसके पीछे वजह यह है कि बीमारी की जांच पैथोलॉजिस्ट की उपस्थिति या उसके निर्देशन पर ही होती है और जो खून एवं अन्य सेंपल लिये जाते हैं उनके आधार पर जान रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी भी इन्हीं पैथोलॉजिस्ट की होती है।

नगर में दर्जनों पैथोलॉजी सेंटर हैं जहां रोजाना सैकड़ों लोगों की जांचें होती हैं और उनकी रिपोर्ट दी जाती है लेकिन जिले का चिकित्सा विभाग यह बताये कि इनमें से कितने पैथोलॉजी सेंटर में पैथोलॉजिस्ट मौजूद होते हैं और जिनकी मौजूदी में इस तरह की रिपोर्ट बनाई जाती है यदि पैथोलॉजिस्ट मौजूद नहीं तो फिर रिपोर्ट किसकी निगरानी में और कौन तैयार करता है इस तरह की रिपोर्टो की विश्वसनियता किसके भरोसे है और जब पैथोलॉजिस्ट नहीं तो फिर पैथोलॉजी सेंटरों पर जांच या कार्यवाही क्यों नहीं की जा रही। क्या प्रशासन इन पैथोलॉजी सेंटरों को चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण नहीं मानता।

प्रशासन को एवं जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को यह सार्वजनिक करना चाहिये कि जिले में कितने पैथोलॉजिस्ट उपलब्ध है और कौन सी पैथोलॉजी का संचालन किस पैथोलॉजिस्ट के निर्देशन पर हो रहा है जो जानकारी सामने आई है उसे जानकर आप भी हैरत में पड़ जायेंगे कि वर्तमान में महज एक पैथोलॉजिस्ट सरकारी हैं जबकि निजी पैथोलॉजी सेंटर में भी एक पैथोलॉजिस्ट की उपस्थिति होती है अन्य पैथोलॉजी सेंटरों में पैथोलॉजिस्ट मौजूद नहीं होते ऐसी स्थिति में पूरे समय फिर रिपोर्ट कौन जारी करता है इस पूरे मामले में गहन जांच की आवश्यकता है। एक ओर तो फार्मासिस्ट मौजूद नहीं तो दवा दुकानें सील हो रही हैं जबकि दूसरी ओर लेब टेक्नीशियन ही पैथोलॉजी सेंटर संचालित कर रहे हैं।

बताया जा रहा है कि एक ही पैथोलॉजिस्ट के सहारे अधिकांश पैथोलॉजी सेंटर संचालित हो रहे हैं उन्हीं के निर्देशन में रिपोर्ट जारी हो रही है यदि मान भी लिया जाये कि ये ही पैथोलॉजिस्ट सभी रिपोर्टो की जांच करते हैं और उन्हें उसके बाद जारी करते हैं तो फिर हर घंटे आधे घंटे में जो रिपोर्ट पैथोलॉजी सेंटर से लोगों को हार्ड या सॉफ्ट कापी में प्राप्त हो रही हैं वह कैसें संभव है।

एक ही पैथोलॉजिस्ट कैसें सभी सेंटरों में जाकर रिपोर्ट इतने कम समय में जांच लेते हैं यह समझ से परे है। हकीकत तो यह है कि इस तरह के पैथोलॉजिस्ट के डिजीटल हस्ताक्षर से ही रिपोर्टें जारी की जा रही हैं।

हर विवाह का अब होगा पंजीयन

*** सामूहिक विवाह में कार्यक्रम स्थल पर ही प्रमाण.पत्र देने का सुझाव।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

देव उठनी एकादशी के साथ ही विवाहों का सिलसिला प्रारंभ हो गया है। विवाहों के शत.प्रतिशत पंजीयन के लिये प्रदेश के सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किये गये हैं। यह योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग की एक सराहनीय पहल है। इससे विवाहों का शत.प्रतिशत पंजीयन हो सकेगाए जिससे भविष्य में दंपत्ति को कानूनी अड़चनों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश विवाह रजिस्ट्रेशन नियम 2008 के अनुसार राज्य के भीतर भारत के नागरिकों के बीच किसी भी विधि या रुढ़ि के अधीन सत्यापित किये गये विवाह का पंजीयन किया जाता है। विवाहों का पंजीयन नहीं होने पर विशेष तौर पर महिलाओं को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पति की मृत्यु के बाद उनको मिलने वाले स्वत्वों के भुगतान आदि में परेशानी होती है।

आयुक्त आर्थिक एवं सांख्यिकी श्री विकास मिश्रा ने बताया है कि विवाह पंजीयन के लक्ष्य को शत.प्रतिशत प्राप्त करने के लिए प्रदेश के समस्त कलेक्टरों का ध्यान आकृष्ट किया गया है। जिलों में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री कन्यादान योजनाए मुख्यमंत्री निकाह योजना एवं अन्य सामूहिक विवाहों में कार्यक्रम स्थल पर ही विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किये जाने का सुझाव दिया गया है।

आयुक्त श्री मिश्रा ने सामूहिक विवाह कराने वाली सभी संस्थाओं से जागरूकता बढ़ाने मुहिम में बढ़.चढकर हिस्सा लेने की अपील की है। स्थानीय निकायोंए सार्वजनिक स्थलोंए शादी हॉल और मैरिज गार्डन में अनिवार्य रूप से विवाह पंजीयन करवाने संबंधी होर्डिंग लगाने के निर्देश जारी किये गये हैं।

मुख्य अभियंता मनरेगा परिषद द्वारा ग्राम पंचायत मांद के अमृत सरोवर का निरीक्षण

मण्डला। मुख्य अभियंताए मनरेगा परिषद द्वारा रविवार को जिले के जनपद पंचायत बिछिया अंतर्गत ग्राम पंचायत मांद में निर्मित अमृत सरोवर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता ने अमृत सरोवर की संरचनाए जल संचयन व्यवस्थाए मिट्टी संरक्षण कार्यों तथा आसपास किए गए सौंदर्यीकरण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सरोवर के माध्यम से वर्षा जल संरक्षण और भू.जल स्तर सुधार के उद्देश्य से किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर जनपद सीईओए पंचायत सचिवए मनरेगा अभियंता एवं ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्य अभियंता ने कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने तथा सरोवर के सतत रखरखाव हेतु आवश्यक दिशा.निर्देश प्रदान किए।

औषधि निरीक्षक द्वारा निवास क्षेत्र में औषधि दुकानों का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार एवं उपसंचालकए खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंडला के मार्गदर्शन में रविवार को तहसील निवास स्थित विभिन्न औषधि विक्रय प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण औषधि निरीक्षक मंडला द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान औषधियों के क्रय.विक्रय अभिलेखए भंडारण व्यवस्थाए औषधि अनुज्ञापन की वैधता एवं पंजीकृत फार्मासिस्ट की उपस्थिति का परीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय दो औषधि दुकानोंकृमेसर्स रूबी मेडिकल स्टोर्स एवं मेसर्स ओम मेडिकल स्टोर्स कृ पर पंजीकृत फार्मासिस्ट की अनुपस्थिति पाई गई। औषधि नियमों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित दुकानों में औषधियों के क्रय.विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाते हुए प्रतिष्ठानों को अस्थायी रूप से बंद कराया गया। निरीक्षण के दौरान पाए गए तथ्यों के संबंध में विस्तृत जांच प्रतिवेदन तैयार कर सक्षम अधिकारी को प्रेषित किया जाएगाए ताकि आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा सके।

ग्राम बरवही में रात्रि चौपाल का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत बरवही में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्रीमती बासंती दुबे ने ग्रामीणों के साथ विकास कार्यों एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा की गई।

चौपाल में उपस्थित अमले द्वारा ग्राम विकास एवं ग्रामीण आजीविका मिशन जी.वी.वी., कोदो-कुटकी पंजीयन अभियान सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को प्रदान की गई। ग्रामीणों की समस्याओं को भी सुना गया तथा उनके त्वरित निराकरण हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए। इस दौरान पंचायत प्रतिनिधिए ग्रामीणजन एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भागवत कथा

मानवेंद्र शास्त्री जी के मुखारविंद से परीक्षित जन्म कथा सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु।

श्रीमद्भागवत कथा में उमड़ा श्रद्धा का सागर

*** स्व. श्री कमलेश पाठक की पुण्य स्मृति में हो रहा आयोजन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

नगर के ग्राम पंचायत कटरा स्थित सुभद्रा नगर में स्व. श्री कन्छेदीलाल पाठक एवं स्व. श्री कमलेश पाठक की पुण्य स्मृति में आयोजित श्रीमद्भागवत अमृत ज्ञान कथा महोत्सव के प्रथम दिवस श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ी। कथा वाचक परम पूज्य धर्मशास्त्राचार्य पंडित मानवेंद्र शास्त्री जी महाराज ने अपने मधुर एवं ओजस्वी वाणी से जब भागवत महात्म्य एवं राजा परीक्षित के जन्म की पावन कथा का रसपूर्ण वर्णन किया, तो पूरा पंडाल भक्ति रस से सराबोर हो उठा।

शास्त्री जी ने भागवत पुराण की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि यह ग्रंथ कलियुग के अंधकार में ज्ञान और भक्ति का दीपक है। उन्होंने परीक्षित जन्म प्रसंग को अत्यंत भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया।

कथा श्रवण के दौरान अनेक श्रद्धालु भावविभोर होकर "जय श्रीकृष्ण" के जयघोष में डूब गए। पंडाल में भक्ति संगीत, पुष्पवर्षा और दीपमालाओं की अलौकिक छटा ने वातावरण को दिव्यता से भर दिया।

कार्यक्रम के अंत में शास्त्री जी महाराज ने सभी भक्तों से धर्म, भक्ति और सत्संग को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संदेश दिया। चरित्र विवरण (कथा वाचक परिचय) पंडित मानवेंद्र शास्त्री जी महाराज विख्यात भागवत कथा वाचक हैं, जिन्होंने देश के अनेक शहरों में श्रीमद्भागवत कथा का अमृतपान भक्तों को कराया है। आपकी वाणी में भक्ति, ज्ञान और भाव का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। समाज में संस्कार, सदाचार और गौ-सेवा के प्रचार हेतु आपका योगदान अत्यंत उल्लेखनीय है।

भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाया जायेगा

*** जिले के प्रत्येक बूथ स्तर पर पहुंचेगी गौरव यात्रा, प्रेस वार्ता में दी गई जानकारी।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में रविवार को प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जिसमें भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम एवं भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिला अध्यक्ष डॉ. विजय सरवटे की उपस्थिति संपन्न हुई।

इस अवसर पर धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती एवं राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस के अंतर्गत जिले में आयोजित होने वाले विविध कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देशन में मंडला जिले के प्रत्येक बूथ स्तर पर राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस बड़े उत्साह और सम्मान के साथ मनाया जाएगा। बिरसा मुंडा जी की जयंती के अवसर पर प्रत्येक बूथ पर "गौरव यात्रा" पहुंचेगी, जिसमें भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं आम नागरिक सहभागिता करेंगे। वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने कहा कि यह आयोजन सिर्फ एक उत्सव नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के इतिहास, संस्कृति और बलिदान की स्मृति का सम्मान है। जिले के प्रत्येक ग्राम, नगर एवं बूथ स्तर तक भाजपा कार्यकर्ता इस गौरव दिवस को पूर्ण मनोयोग से मनाने जा रहा है ।

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष डॉ. विजय सरवटे ने बताया कि गौरव यात्रा के दौरान आदिवासी जननायकों के जीवन मूल्यों और योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह यात्रा समाज के हर वर्ग को प्रेरित करेगी और भगवान बिरसा मुंडा जी के आदर्शों को जन आंदोलन का स्वरूप देगी।

दबंगों द्वारा युवक के साथ पुलिस चौकी के अंदर घुसकर मारपीट, क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर खड़े हुये सवाल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

निश्चित तौर से जब कोई व्यक्ति दहशत या फिर अपनी जान को खतरें में महसूस करता है तो वह पुलिस से मदद लेने के लिये पहुंचता है। यदि उसके साथ पुलिस थाने व चौकी के अंदर ही मारपीट होने लगे तो फिर आमजन अपने आपकों सुरक्षित कैसे समझ पायेगी..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिनों चीचली पुलिस थाने के अंतर्गत ग्राम गोटीटोरियों में उस समय देखने मिली जब गांव के कुछ दबंगों द्वारा एक युवक के साथ मारपीट की जा रही थी तो वह अपने जान बचाने के लिये गोटीटोरिया पुलिस चौकी के अंदर पहुंचा। मगर वहां पर भी दबंगों द्वारा पुलिस चौकी के अंदर घुसकर मारपीट करने से नही चूके। इस सच्चाई को सोशल मीड़िया पर लगातार विडियों वायरल होते हुये देखा जा रहा है। जिसमें गांव के कुछ लोग एक युवक को सड़क पर मारपीट करते हुये दिखाई देने के साथ साथ जब युवक पुलिस चौकी के अंदर गया तो वहां पर भी दबंग युवक के साथ मारपीट करते हुये दिखाई देने से नही चूक पाये है.? इस सच्चाई को लेकर अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब लोग पुलिस थानों या फिर चौकियों के अंदर सुरक्षित नही रह पा रहे है तो फिर इस तरह की कानून व्यवस्था को क्या नाम दिया जावेगा और क्षेत्र के लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी को कैसे मजबूत समझा जा सकता है..? बताया जाता है कि ग्राम

गोटीटोरिया निवासी ओम प्रकाश चौधरी के घर पर गांव के कुछ लोग विवाद कर रहे थें। ओम प्रकाश चौधरी मजदूरी करने के बाद जब अपने घर पहुंचा तो उसे इस तरह झगड़े की जानकारी मिलने पर वह पुलिस चौकी घटना की शिकायत करने के लिये जाने लगा। इसी बात को लेकर गांव के कुछ दबंग उसके पीछे पड़ गय और रास्ते में घेरते हुये मारपीट शुरू कर दी गई। इस तरह अपने जान बचाने की सोच रखते हुये जब ओम प्रकाश ने अपनी जान बचाने के लिये पुलिस चौकी के अंदर दौड़ लगा दी गई तो आरोपियों द्वारा पुलिस चौकी के अंदर प्रवेश करत हुये उसके साथ वहा पर भी मारपीट करने से नही चूके। इस संबंध में जब ओम प्रकाश चौधरी से चर्चा की गई तो उसने बताया कि गांव के ही कुछ लोग उसके घर जाकर परिजनों से विवाद कर रहे थें। इसी बात को लेकर जब वह अपने घर पहुंचा और विवाद होते हुये देख पुलिस चौकी रिर्पोट करने जा रहा था। मगर रास्ते में गांव के कालूराम, पवन और कुछ लोग मिले जो प्रार्थी के साथ रास्ते में मारपीट करने लगे। जब प्रार्थी चौकी के अंदर पहुंचा तो उन लोगों ने वहां पर पहुंचकर भी मारपीट करते हुये चोटे पहुंचे। पुलिस चौकी के अंतर्गत मौजूद मात्र एक महिला पुलिस कर्मी असहाय होकर यह सबकुछ देखती रही। इसी प्रकार से पीड़ित की पत्नी का कहना है कि गांव के दबंगो द्वारा उसके पति को दौड़ा दौड़कर मारने के साथ जब वह पुलिस चौकी पहुंचे तो वहां पर भी उनके साथ मारपीट की गई। इसके बाद पुलिस द्वारा घायल पति को शासकीय चिकित्सालय गाडरवारा में छोड़कर चली गई जिसके चलते हम यहां पर अपने पति का इलाज करा रहे है। वही घटना के संबंध में उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा का कहना है कि ग्राम गोटीटोरिया निवासी ओम प्रकाश चौधरी द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि उसके साथ गांव के मल्लू, जीवन, बबलू, राजकुमार सहित पवन नामक व्यक्ति द्वारा मारपीट की गई जिसके चलते पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है। इस प्रकार से देखा जा रहा है कि भले ही जिले के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा चीचली थाना क्षेत्र में अतिरिक्त तारे की रोशन जरूर फैला दी गई है। मगर कुछ दिनों के अंदर ही यहां की बिगड़ती हुई कानून व्यवस्था के लिये चंद दिनों में भी अतिरिक्त तारा के चलते अशुभ संकत मिलने की शुरूआत जिम्मेदार अधिकारियों के निर्णय पर प्रश्न चिन्ह लगाने में कोई कसर नही छोड़ रही है..?

सांईखेड़ा क्षेत्र में फिर गति पकड़ते हुये दिखाई देने लगा सफेद पावडर सहित मदाक पदार्थों का अवैध कारोवार

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। पूर्व में यहां पदस्थ रहे पुलिस अधिकारियों की सख्त कार्य प्रणाली के चलते जहां सफेद पाउडर स्मैक का कारोवार लगभग पूर्णरूप से बंद होने की कगार पर आ चुका था? मगर वर्तमान में देखा जा रहा है कि पुलिस की उदासीनता का परिणाम है कि पावडर सहित अन्य प्रकार के मादक पदार्थो का अवैध कारोवार ने पुनः अपनी गति में इजाफा कर दिया गया है। क्योंकि गाडरवारा सहित सांईखेड़ा पुलिस द्वारा पहले कार्यवाही करते हुये पकड़े गये आरोपियों में सांईखेड़ा क्षेत्र के अनेक कारोबार सामने आने से नही चूक पाये थें। मगर पुलिस की सुस्त कार्य प्रणाली व हाल ही में हुये फेर बदल के चलते इस अवैध कार्य में लिप्त रहने वालों के हौसले बुलंद आने से नही चूक रहे है। वही दूसरी ओर यह अवैध कारोबार एक बार फिर गति पकड़ते हुये दिखाई देने से नही चूक रहा है? जिसका उदाहरण इस समय शहर सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों मे देखने मिल रहा है। जहां पर क्षेत्र सूत्रों से मिल रही जानकारियों के अनुसार आसपास गांवों में मादक पदार्थ गांजे के साथ साथ सफेद स्मैक नुमा पावडर व अन्य प्रकार के मदाक पदाार्थो में गांजे खुलेआम बिकते हुये देने की शुरूआत हो चुकी है? वही दूसरी ओर इसकी गिरप्त में अनेक युवा आते जा रहे है। मगर पुलिस अधिकारियों की सुस्त कार्यप्रणाली इस अवैध कारोबार पर कार्यवाही करने में असफल होते हुये जान पड़ रही है। यह बात अलग है कि कुछ महिनों पूर्व यहां की पुलिस द्वारा नगर सहित आस पास के अनेक स्थानों पर इस धंधे में लिप्त लोगों को रंगे हाथों पकडुने में सफलता हासिल की गई थी, जिसमें गांजे का अवैध कारोबार करने वाले स्थानीय सहित वह बाहरी लोग पुलिस के हाथ लगे थें जो दूसरे शहर से मादक पदार्थ लेकर यहां पर थोक के भाव में सप्लाई करने का कार्य करते थें। उनके पकड़े जाने के बाद यह अनुमान लग रहा था कि शायद पुलिस द्वारा स्थानीय स्तर पर इस अवैध कारोबार को अंजाम देने वालों को भी पकड़ने में सफल हो जावेगी..? मगर इस अवैध कारोबार को लेकर यहां पर आये हुये नये नबेले अधिकारियों द्वारा जिस तरह नजर अंदाज किया जाना तथा कुछ तथा कतिथ पुलिस कर्मियों का इस अवैध कारोबार में लिप्त रहने वाले लोगों से लक्ष्मी पूजन के चलते याराना संबंधों का परिणाम है कि इस अवैध कारोबार में अचानक गति पकड़ना शुरू कर दिया गया है। यदि समय रहते हुये इस अवैध कारोबार पर अपना शिकंजा कसने में पुलिस सफल नही होती है तो निश्चित तौर से अनेक युवाओं का जीवन संकट में पड़ने के साथ साथ जिला अधिकारियों द्वारा जिस तरह मादक पदार्थो से मुक्त करने की बनाई गई सोच को ग्रहण लगने में देर नही लगेगी..?

नदी में मछली पकड़ रहे युवक की संदिग्ध स्थिति में डूबने से हुई मौत

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

निश्चित तौर से कभी कभी इस तरह से घटित होने वाली घटनाये चर्चा का विषय बनने से साथ साथ सबाल खड़े करने से नही चूकती है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपसि बेरखेडी के पास मछली पबड़ने गये युवक की नदी में डूबने से हुई मौत को लेकर जान पड़ रही है। बताया जाता है कि ग्राम बसुरिया निवासी युवक विनोद नौरिया लावार बेरखेड़ी घाट पर नदी में मछली पड़ने के लिये गया हुआ था। इस दौरान युवक का शव नदी में तैरते हुये पाया गया। इस प्रकार से क्षेत्र के लोगों को नदी में डूबकर मौत होने की सच्चाई आसानी से गले उतारते हुये जान नही पड़ पा रही है..? लोगों का कहना है कि विनोद नौरिया पानी में तैरने के लिये माहिर था जो बारिश के दिनों में जब नदी में बाढ़ रहती है उस दौरान नदी में छलांग लगाते हुये देखा जाता रहा है। मगर इस समय नदी में अधिक पानी न होने के बाद भी उसकी डूबने से मौत होने असंभव प्रतीत होने के चलते युवक की मौत संदिग्ध बनने से नही चूक रही है..? वही मृतक के शव का पुलिस द्वारा पंचनामा बनाने के बाद मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया गया है।

राघव कृषि विद्यालय बोहानी के पास युवक की लाश से फैली सनसनी, हत्या की जताई जा रही आशंका, पुलिस जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

रविवार की सुबह समीपस्थ ग्राम बोहानी स्थित शासकीय राघव कृषि उ.मा.वि.की बाउन्ड्री के अंदर जब लोगों ने एक युवक की लाश पड़ी हुई देखी गई तो जहां सनसनी का महौल निर्मित होने से नही चूक पाया। क्योंकि जिस तरह युवक का शव स्कूल वाउन्ड्री के अंदर होने के साथ साथ चोटों दिखाई दे रहे चोटे के निशान हत्या की घटना घटित होने की संभावना की ओर संकेत देने से नही चूक रहे थें।

वही घटना की गंभीरता को ध्यान में रखते हुये सूचना मिलते ही मौके सिहोरा पुलिस चौकी प्रभारी विजय पाल तथा गाडरवारा नगर निरीक्षक विक्रम रजक अपने पुलिस बल के साथ पहुंचे। सबसे पहले मृतक के शव की पहचान कराने के लिये ग्रामवासियों को बुलाते हुये पूछताछ किये जाने पर मृतक की पहचान मनीष शर्मा ग्राम बोहानी के रूप मे की गई। इस तरह घटित हुई घटना को लेकर पुलिस द्वारा मृतक के शव का पंचनामा बनाने के बाद मर्ग कायम करते हुये पोस्ट मार्टम उपरांत शव को परिजनों को सौप दिया गया है। वही घटना की सच्चाई जानने के लिये पुलिस जांच में जुट गई है। इस संबंध में गनर निरीक्षक विक्रम रजक का कहना है कि गाडरवारा पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाली सिहोरा पुलिस चौकी के ग्राम बोहानी राघव कृषि स्कूल के पास एक युवक का शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर मैं खुद व हमारे सिहोरा पुलिस चौकी प्रभारी ने घटना स्थल का निरीक्षण करने के साथ शव की पहचान ग्राम बोहानी निवासी मनीष शर्मा के रूप में की गई है। मृतक की लाश पर चोट के कुछ निशान जरूर दिखाई दे रहे है। मगर यह निशान किस तरह के यह सच्चाई तो पोस्ट मार्टम के उपरांत ही स्पष्ट हो पायेगी। पुलिस द्वारा मर्ग कायम करते हुये मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जांच में मौत के कारणों की जो सच्चाई सामने आवेगी उसी के हिसाब से कार्यवाही की जावेगी।

विभागों में कर्मचारियों की कमी के चलते अनेक योजनाओं पर समय से नहीं हो पा रहा अमल, औपचारिकात पूर्ण बनी शासन की अनेक योजनाएं

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। यह बात अलग है कि केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की जन कल्याणकारी योजनाएं चलाते हुए वह आमजन का भला करने की सोच रखे हुए है, मगर उन योजनाओं का सही क्रियान्वयन की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह अनेक विभाग में चल रही अधिकारियों व कर्मचारियों की कमी के चलते शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन मात्र औपचारिकता पूर्ण ही साबित होते हुए जान पड़ रहा है? क्योंकि सरकार की बेहतर मानी जाने वाली जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की गति वर्तमान में धीमी होने की स्थिति में इन दिनों क्षेत्रवासी निराशा में डूबने मजबूर हो गए है? जानकार सूत्रो के अनुसार यदि देखा जावे तो सरकार आमजनों के हितों को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई अधिकांश योजनाओं के जमीनी धरातल पर अमल में लाने के लिए शासकीय विभागो में कर्मचारियों की कमी बाधा बन रही है या फिर अधिकारी अपनी वाही वाही लूटने के उद्वेश्य से उन योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के नाम पर सिर्फ कागजों तक सीमित रखते हुए सिर्फ औपचारिकता निभाते हुए ही जान पड़ रहे है? क्योंकि लगातार जन सुनवाई कार्यक्रमों का आयोजन होने के बाद भी आये दिन लोगों को अपनी समस्याओं के चलते अधिकारियों से लेकर नेताओं के कार्यालयों के चक्कर काटते हुये आसानी से देखा जा रहा है। जिसमें उनके द्वारा अपनी शिकायतों में यह बात का उल्लेख करते हुये देखे जा रहे है कि उन्हें इस योजना का लाभ नही मिल रहा है या फिर इस समस्या से जूझ रहे है? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब शासन के अधिकारियों द्वारा निर्धारित दिवसों पर जन सुनवाई या फिर शिविरों का आयोजन करते हुये शासन की योजनाओं का लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है तो फिर इसके बाद लोग परेशान होते हुये क्यों घूम रहे है, निश्चित ही आम लोगों को परेशान होते हुये देखकर इस बात का खुलासा होने से नही चूक पा रहा है कि अधिकारियों द्वारा आमजन की समस्याओं का निराकरण करने या फिर में दिलचस्वी नही ली जा रही है या फिर मात्र औपचारिकता ही निभाई जा रही है, जिसके चलते आम लोगों को परेशान होते हुये देखा जाना आम बात बन चुकी है? वही दूसरी ओर अनेक शासकीय विभाग कर्मचारियों की कमी से भी जूझते हुये देखे जा रहे है जिसके चलते आमजनों के लिये परेशानी का कारण साबित होने से नही चूक पा रहा है, क्योंकि इस समय अनेक शासकीय विभागो में कार्यरत कर्मचारियो के सेवानिवृत्त होने का सिलसिला चल रहा है और बहुत से शासकीय कर्मचारी ऐसे है जिन्हे तबादला फेक्ट्री की भेंट चढ़ा दिया गया है। जिसके चलते अनेक विभागों में खाली हुई पदों की भरपाई नही होने की स्थिति में वह पद खाली पड़े हुये है जिनके माध्यम से आम लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल सकता था, मगर जब उन पदों पर जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी ही नही होगे तो फिर शासन की योजनाओं का समय पर लाभ मिल पाना मात्र एक कल्पना के आलवा और कुछ साबित होने वाला नही है?

स्कूल प्रबंधन की कार्य प्रणाली पर फिर खड़े हुये सवाल, छात्र के साथ बाहरी व्यक्ति द्वारा की गई मारपीट

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

नगर के निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा जहां अभिभावको को बच्चों की अच्छी पढ़ाई से लेकर उनकी सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुये फीस बसूलने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है। मगर इसके बाद इन शिक्षण संस्थाओं में बच्चों के साथ घटित होने वाली घटनायें निश्चित तौर से इस तरह की गैर जिम्मेदाराना कार्य प्रणाली वाली शिक्षण संस्थाओं को बेनकाब करने में कोई कसर नही छोड़ती है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय नगर के काबरा स्कूल में देखने मिल रही है। क्योंकि लगभग चार पांच माह पहले इस शिक्षण संस्था की हास्टल में निवास करने वाले एक छात्र की करेन्ट लगने से हुई मौत के चलते जहां यह संस्था आमजन के बीच चर्चा का विषय बनने से नही चूक पाई थी। वही दूसरी ओर अधिकारियों द्वारा घटना के दौरान जिस तरह बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये पारदर्शी जांच का भरोसा दिलाते हुये जिस तरह से जांच शुरू की गई थी। मगर उस जांच पर क्या कार्यवाही हुई आज तक किसी को कोई पता नही चल पाया है..? वही दूसरी ओर बीते हुये दिनों इस शिक्षण संस्था में अध्ययनरत एक छात्र के साथ जिस तरह से अन्य अभिभावको द्वारा मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई गई है उसके चलते एक बार फिर संस्था के प्रबंधन की कार्य प्रणाली चर्चाओं में आने से नही चूक पाई है..? घटना के संबंध में बताया जाता है कि इस शिक्षण संस्था की कक्षा आठ में पढ़ाई करने वाले छात्र का अपनी कक्षा के किसी अन्य छात्र से कोई विवाद हो गया था। इसके बाद उस छात्र के अभिभावको द्वारा प्रार्थी छात्र के साथ संस्था परिसर में जमकर मापीट करते हुये चोटे पहुंचाने के साथ जान से मारने की धमकी देने में भी कोई कसर नही छोड़ी गई। इस प्रकार पीड़ित छात्र की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी अभिभावक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच शुरू कर दी गई है..? वही इस संबंध में पीड़ित छात्र के परिजनों का आरोप है कि उस संस्था में अध्ययन करने वाले एक छात्र से जब प्रार्थी छात्र का विवाद हुआ था तो उसके द्वारा फोन पर धमकी दी गई थी। इस बात से शिक्षण संस्था के प्रबंधन को अवगत कराये जाने के बाद भी किसी तरह की कार्यवाही नही होने का परिणाम है कि आरोपी छात्र के अभिभावक द्वारा शिक्षण संस्था परिसर में प्रार्थी छात्र के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई। इस तरह छात्र के साथ घटित हुई घटना को लेकर अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि अभिभावक स्कूल भेजने के बाद अपने बच्चों को सुरक्षित महसूस कर पायेगे..? वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो नगर का काबरा स्कूल आये दिन संस्था में घटित होने वाली घटनाओं को लेकर आमजन की चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रहा है...?

बसेड़िया द्वारा शंकराचार्य से भेंट कर लिया आशीर्वाद

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समाज सेवा के लिये अपनी अलग पहचान बनाने वाले मुकेश बसेड़िया अपने क्षेत्र की खुशहाली के लिये आये दिन संतों के बीच पहुंचकर आर्शीवाद मांग कर क्षेत्रवासियों के लिये खुशहाली की कामना करने में पीछे नही रहते है। कुछ इसी प्रकार से बसेड़िया बीते हुये पावन काशी नगरी के श्री विद्या मठ में ज्योतिष पीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से आर्शीवाद लेने पहुंचे बताया जाता है कि समाजसेवी एवं परशुराम सेना के जिला अध्यक्ष मुकेश बसेडिया ने पादुका पूजन अर्चन कर क्षेत्रवासियों की खुशहाली आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने परशुराम सेना मप्र जिला नरसिंहपुर में संगठन विस्तार के साथ साथ गौ माता की सुरक्षा एवं संवर्धन हेतु मार्ग दर्शन लिया। इस

अवसर पर शंकराचार्य ने बसेड़िया को पीत वस्त्र व फल भेंटकरते हुये अपना आशीर्वाद प्रदान किया एवं संगठन विस्तार की आज्ञा प्रदान करते हुये कहा कि समाज में सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करते रहें एवं समाजसेवा के माध्यम से दीन दुःखियो की सेवा का पुनीत कार्य से आप लगातार अग्रसर होने में पीछे नही रहे।

बिना नम्बर के चल रहे टैक्ट्रर, दुर्घटना की बनी आशंका

हरिभूमि न्यूज/नांदनेर/गाडरवारा। जहां एक ओर प्रशासन द्वारा क्षेत्र के अनेक जगहों पर चैकिंग प्यांट लगाकर वाहनों की चैकिंग तो की जा रही है, मगर इसके बाद भी जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा ऐसे वाहनों को नजर अंदाज किया जा रहा है जो वर्षो से बगैर

नम्बर प्लेट के दौड़ रहे है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो ट्रेक्टर क्षेत्र में रेत, मुरूम का अवैध उत्खनन लगातार हो रहा है, एक तरफ जहां कभी कभी विभाग द्वारा इस ओर कार्रवाई की जा रही है। वही अवैध उत्खनन करने वाले अपने उत्खनन के दौरान अधिकांशत रेत कोरोबारी उन ट्रेक्टरों को उपयोग में ला रहे है जिनमें नम्बर नही लिखा हुआ है। इस प्रकार से बगैर नम्बरों के टेक्ट्ररों से ढुलाई कराने के चलतें जहां एक तरफ राजस्व को लाखों का नुकसान हो रहा है। वही इस पर अभी तक आर टी ओ विभाग द्वारा किसी प्रकार की कार्यवाही नही किये जाने कारण इन टेक्टर वालों के हौसले बुलंद है। क्षेत्र की सड़कों पर इस प्रकार से सैकड़ो ऐसे ट्रेक्टर बगैर नम्बर चल रहे है, जिनमें देखा जावे तो अधिकांश अवैध उत्खनन के कार्य में संलिप्त है? टैक्टरों में जहां एक तरफ बिना नम्बर होने के चलते दुर्घटना के बाद इनकी पहचान करना मुश्किल हो जाती है। वही अवैध उत्खनन के समय छापे के दौरान टेक्टर चालकों और मालिकों के भाग जाने से अवैध उत्खनन करने वालों की जानकारी भी आसानी से नही मिल पाती है। इस स्थिति में संबंधित विभाग की लापरवाही के चलतें जहां क्षेत्र की सड़कों पर इस प्रकार से दौड़ रहे उनके खिलाफ कार्यवाही करना चाहिए, क्योंकि इस समय यह भी देखा जा रहा है कि ट्रेक्टर चालको द्वारा रात के समय ट्रेक्टर का उपयोग करते समय सामने का एक ही लाईट चालू किया जाता है जिससे सामने आने वाला व्यक्ति उसे दो पाहिया वाहन समझकर साईड देता है और वह दुघर्टना ग्रस्त हो जाता है। अतः शासन प्रशासन से मांग की जाती है कि बगैर नम्बर तथा एक लाईट व बगैर लाईट के टेक्टरों के खिलाफ एक मुहित के तहत कार्यवाही की जावें।

आखिरकार इस स्टैट हाईवे के कब आवेंगे अच्छे दिन.. निकल रहे गड्ढे व टूटती सड़क में लगातार परेशान हो रहे वाहन चालक

हरिभूमि न्यूज / सांईखेडा। जहां एक ओर सरकार द्वारा लोगों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में भी सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। मगर अक्सर देखा जाता है कि सरकार द्वारा सड़कों के लिए स्वीकृत की जाने वाली राशि का निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सीयों द्वारा इस प्रकार से निर्माण किया जाता है कि वह जहां चंद दिनों में अपनी गुणवत्ता की कहानी स्वयं बताने लगती है। वही दूसरी ओर आम लोगों के लिए पेरशानी का कारण बनती है? कुछ इसी रपकार की सच्चाई इस समय स्टैट हाइवे माने जाने वाले गाडरवारा से सांईखेडा की ओर जाने वाले मार्ग पर ग्राम देवरी मिढवानी के अंदर के भाग में भी देखी जा रही है। बताया जाता है कि जब इस सड़क का निर्माण हुआ था तो गांव के अंदर जिस प्रकार से निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा जो गुणवत्ता को अपराया गया था उसी समय क्षेत्र के अखबरों द्वारा गुणवत्ता की सच्चाई को उजागर करते हुए क्षेत्र के नेताओं से लेकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया जाता रहा है। मगर उस समय अधिकाकिरियों द्वारा बरती गई उदसीनता का परिणाम है कि इस सड़क पर निकल रहे गड्डो के चलते जहां वाहन चलाने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना ही पड़ रहा है। वही दूसरी ओर लोगों की जान के लिए भी खतरा पैदा हो रहा है। करोड़ो रूपया की लागत से लागत से बनाई गई इस सड़क की गुणवत्ता को अनदेखी किये जाने के कारण यह सड़क जगह जगह से टूटने लगी है। सड़क के बीचों बीच जानलेबा गड्ड़े निर्मित हो गए है,

खबर संक्षेप

हर विवाह का होगा पंजीयन : योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग की पहल

सामूहिक विवाह स्थलों पर ही मिलेगा विवाह प्रमाणपत्र

डिंडौरी। देवउठनी एकादशी के साथ ही विवाह समारोहों का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी क्रम में प्रदेश में सभी विवाहों के शत-प्रतिशत पंजीयन को सुनिश्चित करने के लिए योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी विभाग ने विशेष अभियान शुरू किया है। इस संबंध में प्रदेश के सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग की यह पहल न केवल प्रशंसनीय है, बल्कि इससे भविष्य में दंपत्तियों को कानूनी परेशानियों से भी राहत मिलेगी। मध्यप्रदेश विवाह पंजीयन नियम 2008 के तहत राज्य में भारत के नागरिकों के बीच किसी भी विधि या परंपरा के अनुसार संपन्न विवाह का पंजीयन अनिवार्य है। विवाह का पंजीयन नहीं होने से विशेष रूप से महिलाओं को कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जैसे पति की मृत्यु के बाद अधिकारों और लाभों के भुगतान में अड़चनें आना आदि।आयुक्त आर्थिक एवं सांख्यिकी श्री विकास मिश्रा ने बताया कि विवाह पंजीयन के लक्ष्य को शत-प्रतिशत हासिल करने के लिए सभी कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, मुख्यमंत्री निकाह योजना एवं अन्य सामूहिक विवाह कार्यक्रमों में विवाह स्थल पर ही प्रमाणपत्र प्रदान किए जाने की व्यवस्था की जाए। उन्होंने सामूहिक विवाह आयोजन करने वाली सभी संस्थाओं से इस जन-जागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की है। साथ ही स्थानीय निकायों, सार्वजनिक स्थलों, शादी हॉल और मैरिज गार्डन में विवाह पंजीयन की अनिवार्यता संबंधी होर्डिंग लगाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

कोतमा तहसील न्यायालय अंतर्गत विधिक सेवा सप्ताह

कोतमा। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार विधि सेवा दिवस के उपलक्ष में 9 से 14 नवंबर तक कोतमा तहसील न्यायालय अंतर्गत विधिक सेवा सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। कोतमा न्यायालय में पदस्थ प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश गंगा चरण दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश माया विश्वलाल के निर्देशन में रविवार को कोतमा न्यायालय परिसर से मैराथन दौड़ के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मैराथन दौड़ न्यायालय परिसर से होते हुए भालूमाड़ा रोड विकास नगर एवं नगर की विभिन्न गलियों मे पहुंची।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर डिंडौरी में विशाल मेगा स्वास्थ्य शिविर

डिंडौरी।

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन डिंडौरी द्वारा एक भव्य एवं बृहद मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन ग्राम पंचायत बरगांव, विकासखंड शहपुरा में किया गया। यह आयोजन मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जनजातीय वर्ग के हित में जनकल्याणकारी प्रयास के रूप में संपन्न हुआ।शिविर का मुख्य उद्देश्य जिले के सुदूर अंचलों में निवासरत जनजातीय समुदाय जैसे बैगा, गोंड, भरिया एवं सहरिया समाज के नागरिकों को एक ही स्थान पर स्वास्थ्य सुविधाएँ एवं शासन की योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना था।कार्यक्रम में जबलपुर, रीवा, शहडोल मेडिकल कॉलेज सहित विभिन्न संस्थानों के 500 से अधिक चिकित्सकों ने अपनी सेवाएँ दीं।आयुष विभाग की शाखाओं में आयुर्वेद में 1,285,होम्योपैथिक में 553, यूनानी में 357 रोगियों का उपचार किया गया।कुल मिलाकर 2,195 रोगियों को आयुष चिकित्सा सेवाएँ प्राप्त हुईं।

शिविर में 60 पंजीयन काउंटर स्थापित किए गए थे। लगभग 9,000 नागरिकों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 7,300 ने स्वास्थ्य परीक्षण करवाया तथा 482 दिव्यांगजन को पंजीकरण कर 1,816 सहायक उपकरण प्रदान किए गए।ग्रामीणों की सुविधा हेतु प्रशासन ने 20 बसों एवं 100 तूफान वाहनों की व्यवस्था की। दिव्यांगजन हेतु मोबाइल कोर्ट के माध्यम से प्रमाणपत्र जारी किए गए एवं पात्र हितग्राहियों को उपकरण वितरित किए गए।जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों स्वास्थ्य, आयुष, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय, जनजातीय कार्य, कृषि, विद्युत, उद्योग, ग्रामीण आजीविका मिशन आदि ने प्रदर्शनी लगाकर योजनाओं की जानकारी दी।शिविर में अस्थायी रूप से एक्स-रे, सोनोग्राफी, पैथोलॉजी, फिजियोथैरेपी एवं सर्जरी कक्ष भी स्थापित किए गए। साथ ही डॉक्टरों की टीम ने ब्लड टेस्ट, एनीमिया, सिकल सेल, हृदय, मस्तिष्क, नेत्र, दंत और स्त्री रोग संबंधी जाँचें कीं। इस अवसर पर विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते, भाजपा जिलाध्यक्ष चमरू सिंह नेताम सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने नाबालिग दिव्यांगजनों को 4,000 मासिक सहायता योजना के तहत प्रमाणपत्र और उपकरण वितरित किए।कार्यक्रम में डॉ. अजय खेमरिया, संदीप रजक, सीईओ जिला पंचायत श्री दिव्यांशु चौधरी, एसडीएम ऐश्वर्या वर्मा, एसपी श्रीमती वाहिनी सिंह सहित अनेक अधिकारी मौजूद रहे।अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ", "नशा मुक्ति" और "मोबाइल की लत से मुक्ति" जैसे विषयों पर विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नाटिकाएँ दर्शकों ने सराहीं। शिविर के माध्यम से जिला प्रशासन ने स्वस्थ जनजाति – समृद्ध प्रदेश के संकल्प को साकार करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बढ़ाया।

सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम में राष्ट्र प्रेम और संस्कारों पर हुआ मंथन

डिंडौरी। सरस्वती शिशु मंदिर छांटा में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता और सरस्वती माता के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया गया।मुख्य वक्ता सपना जैन ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, योगाभ्यास और नैतिक शिक्षा के प्रति लगाव बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम भी है।

सपना जैन ने बताया कि विद्या भारती का कार्य सर्वप्रथम रोशनलाल सक्सेना द्वारा प्रारंभ किया गया था। उन्होंने शिक्षक के रूप में छोटे-छोटे ग्रामों में जाकर बच्चों को शिक्षित करने का बीड़ा उठाया। धीरे-धीरे उनका यह प्रयास एक बड़े समूह में परिवर्तित हुआ और इसी से सरस्वती विद्या मंदिर की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ।कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, छात्र-छात्राएं, अभिभावक एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

डिंडौरी जिले के शिक्षकों ने दिखाई जिम्मेदारी 81% उपस्थिति के साथ प्रदेश में तीसरा स्थान

डिंडौरी।

मध्यप्रदेश सरकार के जनजातीय कार्य विभाग, भोपाल द्वारा 7 नवंबर 2025 को जारी Ehrms पोर्टल के नवीन आंकड़ों में डिंडौरी जिले ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। जारी रिपोर्ट के अनुसार नरसिंहपुर जिले की उपस्थिति 98%, कटनी 85% और डिंडौरी जिले की 81% दर्ज की गई है। इस प्रकार डिंडौरी ने प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है।गौरतलब यह है कि जिले के शिक्षकों की नियमित उपस्थिति यह दर्शाती है कि वे अपने कर्तव्य के प्रति ईमानदार, निष्ठावान और शासन के निर्देशों के प्रति सजग हैं।

शालेय समय प्रातः 10:30 से शाम 4:30 तक शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज की जा रही है, जिससे अनुशासन और कार्यसंस्कृति में सुधार स्पष्ट झलकता है।जानकारों के अनुसार, लगभग 19% शिक्षक ऐसे हैं जो अभी भी लापरवाही बरत रहे हैं और समय पर विद्यालय नहीं पहुंच रहे। शासन ने ऐसे शिक्षकों के प्रति सख्त रुख अपनाने के संकेत दिए हैं नवंबर माह के वेतन से कटौती और निलंबन की कार्यवाही की संभावना जताई गई है। जिले के शिक्षकों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि वे अपनी जिम्मेदारी और कर्तव्य भावना में किसी से पीछे नहीं हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में डिंडौरी की शिक्षकीय उपस्थिति 100 प्रतिशत के लक्ष्य को भी छू सकती है।

कॉलोनी में दिखा भालू, दहशत का माहौल

कोतमा। शुक्रवार की शाम कुछ लोग गोविंदा नर्सरी में जुआ खेल रहे थे तभी अचानक शाम 4:05 बजे के लगभग भालू आ धमका, जिससे दहशत व्याप्त है। आनन फानन में जुआरी अपनी जान बचाकर इधर-उधर भाग गए। बताया जाता है कि शनिवार की सुबह 9:00 बजे के लगभग गोविंद कॉलोनी के दुर्गा मंदिर के पास भी लोगों को भालू दिखाई दिया था जिसके कारण आप लोग दिन में भी कॉलोनी में निकलने में डरने लगे हैं। लेकिन वन विभाग के द्वारा भालू को पकड़ने के लिए कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है क्या वन विभाग को कोई बड़ी दुर्घटना घटित होने का इंतजार है। बता दे की इसके पूर्व भी नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 12 स्थित गोविंदा कॉलोनी में 22 अक्टूबर की सुबह दो भालुओ की दस्तक से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था।

कंप्यूटर ऑपरेटरों को कलेक्टर दर पर मिलेगा मानदेय, आदेश जारी

शासकीय शिक्षक संगठन की लम्बे समय से उठाई जा रही मांग हुई पूरी

डिंडौरी। जनजातीय कार्य विभाग, जिला डिंडौरी के सहायक आयुक्त द्वारा जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों (BEO) को आदेश जारी करते हुए निर्देश दिया गया है कि जनजातीय कार्य विभाग, बीईओ कार्यालयों एवं संकुल प्राचार्य शासकीय कार्यालयों में कार्यरत कुशल कंप्यूटर ऑपरेटरों को अब कलेक्टर दर पर मानदेय का भुगतान किया जाए।बता दें कि यह निर्णय लंबे समय से अल्प मानदेय पर कार्य कर रहे ऑपरेटरों के लिए राहत लेकर आया है। बताया गया कि इन कंप्यूटर ऑपरेटरों को पिछले 13 से 15 वर्षों से मात्र 5000 प्रति माह के मानदेय पर कार्य कराया जा रहा था। इस विषय को शासकीय शिक्षक संगठन के जिला अध्यक्ष रामकुमार गर्ग ने प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने संभागीय उपायुक्त जबलपुर, कलेक्टर डिंडौरी, सहायक आयुक्त डिंडौरी, विधायक के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर कलेक्टर दर पर भुगतान की मांग की थी।

संगठन की लगातार पहल और मीडिया द्वारा इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद आखिरकार शासन प्रशासन ने आदेश जारी कर ऑपरेटरों को कलेक्टर दर से भुगतान की स्वीकृति दी।शासकीय शिक्षक संगठन ने इस निर्णय पर शासन प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कदम वर्षों से सेवा दे रहे कंप्यूटर ऑपरेटरों के सम्मानजनक जीवन और न्यायसंगत मेहनताना की दिशा में बड़ा कदम है।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना में डिंडौरी जिला शामिल, किसानों को मिलेगा बड़ा लाभ

डिंडौरी। जिले के किसानों के लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश के डिंडौरी जिले को प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (PM-DDKY) में शामिल किए जाने की घोषणा की है।केंद्रीय मंत्री ने यह जानकारी मध्यप्रदेश शासन के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग दिलीप जायसवाल को पत्र लिखकर दी। पत्र के अनुसार, इस योजना के तहत देशभर के 100 आकांक्षी कृषि जिलों का चयन किया गया है, जिनमें मध्यप्रदेश के डिंडौरी, अलीराजपुर, शहडोल, उमरिया, सीधी, निवाड़ी, टीकमगढ़ और अनूपपुर जिले शामिल हैं।योजना के चयन मानदंडों में कम फसल उत्पादकता, फसल सघनता में कमी, तथा कृषि ऋण वितरण की कम दर को आधार बनाया गया है। डिंडौरी जिला, जो मुख्यतः आदिवासी बाहुल्य एवं कृषि प्रधान क्षेत्र है, अब इस योजना के अंतर्गत आने से कृषि विकास, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, फसल विविधिकरण और किसानों की आय वृद्धि की दिशा में नई संभावनाएँ खुलेगी।केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिलीप जायसवाल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके निरंतर सहयोग और सुझावों से राज्य के कृषि क्षेत्र में समावेशी और संतुलित विकास को गति मिलेगी।प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का उद्देश्य कृषि उत्पादकता को बढ़ाना, आधुनिक तकनीक के उपयोग को प्रोत्साहित करना तथा किसानों को आत्मनिर्भर बनाना है।इससे डिंडौरी जिले के हजारों किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने की उम्मीद है।

एसडीएम भारती मेरावी ने लिया BLO कार्यों का जायजा, तय समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा की, विद्यार्थियों को किया जागरूक

डिंडौरी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान के तहत मतदाता सूची से संबंधित कार्य निरंतर जारी हैं। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) डिंडौरी सुश्री भारती मेरावी ने मतदान केंद्र क्रमांक 102, समनापुर का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने BLO द्वारा ईएफ (Electoral Form) वितरण एवं मतदाता सूची गणना पत्रक भरने की प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदाता सूची से जुड़े समस्त कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण किए जाएं।

निरीक्षण उपरांत एसडीएम सुश्री मेरावी ने माध्यमिक शाला समनापुर का भ्रमण किया और विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर वे अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज कराएं और परिवार व समाज में अन्य लोगों को भी मतदान के अधिकार के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित करें।

जिले में नवागत डीपीसी का हुआ स्वागत

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना "टीबी मुक्त भारत" को पूर्ण करने के उद्देश्य से सम्पूर्ण भारत मे राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम का संचालन सफलतापूर्वक संचालित है। जिला क्षय केंद्र अनूपपुर में डीपीसी का कार्य अब तक प्रभार के भरोसे चल रहा था, लेकिन इंदौर से बिलॉन्ग कर रही श्रीमती सिम्मी वानखेड़े का अनूपपुर जिले की नई डीपीसी के रूप में नियुक्ति की गई हैं। पदभार ग्रहण करते बैठक के दौरान सभी टीबी स्टॉफ से नाम, पद, व परिचय के साथ रूबरू हुए। जिला क्षय अधिकारी डॉ एस सी रॉय के नेतृत्व सभी स्टॉफ एक जुट होकर एक टीम की तरह जिले में टीबी उन्मूलन के लिए कार्य कर रहे है। जो प्रतिदिन अपनी सफलता की ओर अग्रसर है। निश्चित रूप से उनके आने से कार्यक्रम को एक नई गति मिलेगी। अनूपपुर सीएमएचओ डॉ आरके वर्मा, जिला टीबी ऑफिसर, कोतमा सीबीएमओ डॉ के एल दीवान, पूर्व डीपीसी राजेश पटेल, प्रियंका सिंह, देवेंद्र जायसवाल, सोहराब अंसारी, शिवकुमार नामदेव, ज्योति गुप्ता, ओम प्रताप सिंह, रमेश प्रजापति व अन्य अधिकारी कर्मचारी द्वारा हर्ष व्यक्त करते हुए उनको बधाई व शुभकामनाओ के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नगर परिषद ने प्रमुख चौक-चौराहों पर लगाए सीसीटीवी कैमरे

राजनगर में बढ़ी सुरक्षा, तीसरी आंख से होगी निगरानी

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में नगर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने का प्रण था। असामाजिक तत्वो तथा अपराधों पर नियंत्रण रखने के उद्देश्य से नगर परिषद बनगवां (राजनगर) द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) अध्यक्ष यशवंत सिंह के नेतृत्व में नगर के प्रमुख स्थल बस स्टैंड राजनगर, सब एरिया बंगला चौराहा, काली मंदिर न्यू राजनगर थाना के पास चौक-चौराहों, भगत सिंह चौक, के मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इस कदम से नगर में सुरक्षा का माहौल और बेहतर हुआ है तथा नागरिकों में विश्वास की भावना जगी है। अध्यक्ष यशवंत सिंह ने बताया, कि हाल के दिनों में नगर में चोरी और असामाजिक गतिविधियों की घटनाएं सामने आ रही थीं। इन्हीं को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद ने यह निर्णय लिया, कि अब पूरे क्षेत्र को सीसीटीवी कैमरे से निगरानी में लाया जाएगा। उन्होंने कहा, "राजनगर को एक सुरक्षित और स्मार्ट नगर बनाना हमारी प्राथमिकता है। सीसीटीवी कैमरे इस दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरुआत हैं। इस अभियान को सफल बनाने के लिए नगर परिषद बनगवां (राजनगर) ने रामनगर थाना प्रभारी सुमित कौशिक और मुख्य नगर पालिका अधिकारी राममिलन तिवारी के साथ संयुक्त बैठक की गयी। बैठक में यह तय किया गया, कि जिन क्षेत्रों में असामाजिक गतिविधियां अधिक होती हैं, या जहां भीड़भाड़ रहती है, वहाँ कैमरे प्राथमिकता से लगाए जाएं। थाना प्रभारी सुमित कौशिक ने बताया, कि कैमरों के लगने से पुलिस की जांच प्रक्रिया आसान होगी। "अब किसी भी घटना के तुरंत बाद फुटेज देखकर अपराधियों की पहचान की जा सकेगी। यह न केवल अपराध नियंत्रण में मदद करेगा। बल्कि जनता में भी सुरक्षा की भावना को बढ़ाएगा," उन्होंने कहा, नगर परिषद के पहले चरण में बस स्टैंड चौक, थाना रोड, वार्ड नंबर 5 सब एरिया ऑफिस के सामने, बाजार क्षेत्र और मुख्य मार्गों पर उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे नगर परिषद के नियंत्रण कक्ष से सीधे जुड़े हैं, जहां चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है। नगर परिषद अधिकारी राममिलन तिवारी ने कहा, कि यह पहल केवल अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक आयोजनों और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने में भी सहायक होगी। उन्होंने बताया, कि कई बार त्यौहारों या जुलूसों के दौरान ट्रैफिक और भीड़ की स्थिति पर नज़र रखना कठिन होता है, लेकिन अब कैमरों के जरिए समय पर कार्यवाही की जा सकेगी। नगरवासियों ने भी इस पहल की सराहना की है। स्थानीय निवासी सतीश द्विवेदी ने कहा, "कैमरे लगने से लोग सावधान हो गए हैं। पहले रात में कई जगह चोरी की घटनाएं होती थीं, अब उनमें कमी आई है।" व्यापारी जायसवाल इलेक्ट्रिकल्स एवं इलेक्ट्रॉनिक बस स्टैंड राजनगर के संचालक आनंद जायसवाल ने कहा, "व्यापारियों को भी अब अधिक सुरक्षा महसूस हो रही है। दुकान और आसपास की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है।" नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह ने कहा कि आने वाले समय में सीसीटीवी प्रणाली को स्मार्ट सर्वर सिस्टम से जोड़ा जाएगा, जिससे पुलिस मुख्यालय को भी फुटेज की सीधी पहुंच मिल सके। उन्होंने कहा कि यह पहल सिर्फ तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा का भी प्रतीक है। जब नगर सुरक्षित होगा, तभी विकास संभव है।" नगर में बढ़ती सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए नागरिकों ने इसे "सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक कदम" बताया है। राजनगर अब सुरक्षित, अनुशासित और आधुनिक नगर बनने की दिशा में अग्रसर है।

आत्महत्या को उत्प्रेरित करने वाले फरार दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज भालूमाड़ा।

05.12.2024 को मृतिका नेहा केवट पति बलराम केवट उम्र 30 वर्ष निवासी डबल स्टोरी भालूमाडा की अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या की थी जिसकी सूचना मिलने पर थाना भालूमाडा पुलिस मौके पर पहुंचकर मृतिका के शव को फांसी से उतरवाकर पंचनामा कार्यवाही किया गया था। पंचनामा कार्यवाही के दौरान मृतिका नेहा केवट के द्वारा लिखी गई सुसाईड नोट बरामद हुआ था सुसाईड नोट को जप्त कर पुलिस के द्वारा जांच कराई गई एवं मृतिका के परिजनों साक्षीगणों के कथन लिये गये। मृतिका के परिजनों एवं साक्षीगणों के द्वारा बताया गया कि मृतिका के पति बलराम केवट का कंचन चौधरी नाम की लड़की से अवैध संबंध होने से मृतिका अपने पति एवं कंचन चौधरी से प्रताडित होकर उक्त दिनांक को फांसी लगाकर आत्महत्या की थी जिस पर थाना भालूमाडा में अप.क्र. 397/2025 धारा 108, 3(5) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की किया जा रहा था। प्रकरण के उक्त दोनो आरोपी बलराम केवट पिता देवीदयाल केवट उम्र 39 वर्ष डबल स्टोरी भालूमाडा एवं आरोपी की प्रमिका कंचन चौधरी पिता दुखीराम चौधरी उम्र 25 वर्ष निवासी लाईन दफाई भालूमाडा की उक्त दोनो आरोपी काफी लंबे समय से फरार चल रहे थे। पुलिस अधीक्षक मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे, अति. पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ सिंह मरकाम तथा अनु.अधि. कोतमा (पुलिस) श्रीमती आरती शाक्य के मार्ग दर्शन में थाना प्रभारी के कुशल नेतृत्व में भालूमाडा पुलिस टीम द्वारा 9 नवंबर को उक्त दोनो आरोपीगणों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहाँ से जेल भेजा गया।

विधिक सेवा सप्ताह का मैराथन दौड़ के साथ किया गया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष महोदय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनूपपुर श्रीमती माया विश्वलाल के निर्देशानुसार जिला अनूपपुर में 9 से 14 नवम्बर तक ''न्यायोत्सवः विधिक सेवा सप्ताह'' मनाया जा रहा है। जिसका उद्देश्य विधिक सेवा योजनाओं के प्रचार-प्रसार एवं उक्त योजनाओं का लाभ लेने के संबंध में विहित प्रक्रिया की जानकारी तथा जनसामान्य तक न्याय की पहुँच सुनिश्चित करना है। उक्त कार्यक्रम के तहत 09.11.2025 को ''न्यायोत्सवः विधिक सेवा सप्ताह'' का शुभारंभ मैराथन दौड़ के साथ किया गया इस अवसर पर समस्त न्यायालयीन अधिकारी/कर्मचारीगण, अधिवक्तागण, पैरालीगल वालेंटियर्स, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अधिवक्तागण, तुलसी महाविद्यालय एवं संस्कार लॉ कॉलेज के छात्र छात्राऐं, उत्कृष्ठ एवं केन्द्रीय विद्यालय के छात्र छात्राऐं एनजीओ एवं स्वयंसेवी संगठन के सदस्यों ने भाग लिया। इस मैराथन दौड़ को प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश श्रीमती माया विश्वलाल के द्वारा हरी झण्डी दिखा कर रवाना किया गया जो जिला न्यायालय परिसर से शुरू होकर तहसील, इंदिरा चौक, शंकर मंदिर होते हुये वापिस जिला न्यायालय परिसर में समाप्त हुयी। उक्त कार्यक्रम में प्रथम जिला न्यायाधीश नरेन्द्र पटेल, श्रीकृष्ण डागलिया, श्रीमती चैनवती ताराम मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, सुश्री सुधा पाण्डेय न्यायिक मजिस्ट्रेट, बॉबी सोनकर न्यायिक मजिस्ट्रेट, सुश्री सृष्टि साहू न्यायिक मजिस्ट्रेट, बृजेश पटैल जिला विधिक सहायता अधिकारी, संतोष सिंह परिहार अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ अनूपपुर सहित अधिवक्तागण न्यायालय के कर्मचारीगण, डिफेंस काउंसिल के अधिवक्तागण सहित स्कूल कॉलेज के विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

अमित लहरिया का पीएससी में चयन

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश लोक सेवा द्वारा जारी किए गए परिणाम मे जिले के लिए गौरवान्वित किया एम पी पी एस सी 2023 की परीक्षा में अमित लहरिया ने सहकारिता विस्तार अधिकारी के पद पर चयन हुआ है। अमित ने अपनी शिक्षा इंदौर से पूरी की। आप रामशंकर लहरिया के पुत्र एवं हाउसिंग बोर्ड निवासी पंडित भैया राम जी शास्त्री के भतीजे हैं। सफलता पर सभी इष्टजनों ने शुभकामनाएं दीं हैं।

डिप्टी कलेक्टर को सीएम हेल्पलाइन का प्रभार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सीएम हेल्पलाइन 181 पोर्टल पर कलेक्टर नरसिंहपुर की लॉगिन आईडी के संचालन एवं प्रतिदिवस शिकायतों के निराकरण के लिए डिप्टी कलेक्टर महेन्द्र पटेल को सीएम हेल्पलाइन 181 का प्रभारी अधिकारी नियुक्त करने का आदेश जारी किया है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के मुताबिक डिप्टी कलेक्टर श्री पटेल कलेक्टर नरसिंहपुर की आईडी पर लंबित शिकायतों के निराकरण प्रतिदिवस मान्य अमान्य किए जाने की कार्यवाही तथा फोर्स क्लोज स्पेशल क्लोजर शिकायतों का कलेक्टर से अवलोकन करवाकर निराकरण सुनिश्चित करेंगे। श्री पटेल के अवकाश अवधि में उक्त कार्य का सम्पादन अन्य प्रभारी अधिकारी (डिप्टी कलेक्टर) लिंक अधिकारी कार्यालय कलेक्टर नरसिंहपुर संपादित करेंगे।

ई- टोकन प्रणाली के माध्यम से वितरण किया जा रहा उर्वरक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के द्वारा किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जिले में खाद वितरण के लिए 4 नवंबर से ई-टोकन व्यवस्था प्रारंभ की गई है। जिले में 04 नवम्बर को 85 किसानों, 06 नवम्बर को 100 किसानों और 07 नवम्बर को 162 किसानों इस तरह कुल 347 किसानों ने ई-टोकन बुक किये गए है। जिले के किसान सरकारी गोदाम के डबल लॉक केन्द्र नरसिंहपुर, करेली, गोटेगांव, करकबेल, सालीचौका एवं गाडरवारा में ई-टोकन बुक कर सकते हैं। इसके लिए किसानों प्रातः 10 बजे से शाम 6 बजे तक कार्य दिवस में 07792-181 पर कॉल करके अपनी समग्र आईडी, खसरा नंबर/बही नंबर, रकबा, ग्राम एवं तहसील की जानकारी देकर पंजीयन करा सकेंगे। पंजीयन के बाद दिनांक एवं समय सेंटर द्वारा तुरंत बताया जाएगा, जिसके अनुसार किसान अपने नजदीकी केन्द्र से खाद प्राप्त कर सकेंगे। इसका उद्देश्य किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराना, पारदर्शिता बढ़ाना और लम्बी कतारों से मुक्ति दिलाना है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे इस व्यवस्था का लाभ उठाने के लिए 07792-181 नंबर पर कॉल कर शीघ्र ही अपना टोकन बुक कराएं और इस नई सुविधा का लाभ उठाएं। प्रशासन का लक्ष्य है कि जिले के प्रत्येक किसानों को आवश्यक खाद समय पर और सुगमता से उपलब्ध हो सके। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग नरसिंहपुर ने बताया कि इस नई पहल का उद्देश्य किसानों को पारदर्शी और सरल सुविधा प्रदान करना है।

मोटर पाइप हुए चोरी की शिकायत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली अंतर्गत आने वाले ग्राम डूंडी पिड़रई मे खेत मे लगे मोटर पाइप चोरी हो गए। जिसकी शिकायत पीड़ति किसान अश्विन कुमार त्रिपाठी द्वारा पुलिस अधीक्षक के नाम शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की गई।

छात्रा को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस हिनोतिया टोला निवासी छात्रा स्कूल से घर जा रही थी तभी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे वह घायल हो गई और परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

11 कि.मी. यूनिटी मार्च पदयात्रा का हुआ आयोजन, मंत्री श्री पटेल ने किया लोगों से संवाद

एकता, अखंडता व सामाजिक समरसता की हो भावना: मंत्री श्री पटेल

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर जिले में कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत रविवार को सरदार/150 यूनिटी मार्च पदयात्रा का आयोजन किया गया। यह पदयात्रा खैरी ग्राम से प्रारंभ होकर कोदसा ग्राम तक लगभग 11 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए सम्पन्न हुई।

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने सहभागिता कर आदर्शों की इस यात्रा को सार्थक बताया यात्रा के शुभारंभ पर सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया, तत्पश्चात राष्ट्रगीत वंदे मातरम के साथ पदयात्रा आरंभ हुई। इस दौरान उपस्थित जनसमूह ने भारत माता एवं राष्ट्रीय एकता के जयकारे लगाकर उत्साहपूर्ण वातावरण निर्मित किया कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने पदयात्रा के दौरान ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने देश की 562 रियासतों को एक सूत्र में पिरो कर भारत को अटूट एकता का स्वरूप प्रदान किया। उनके अथक प्रयासों को सदैव याद किया जाएगा।

जन जन में हो सामाजिक समरसता

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता की भावना को जन-जन तक पहुँचाना हम सभी का दायित्व है और यह पदयात्रा उसी उद्देश्य की पूर्ति का माध्यम है यात्रा में नर्मदापुरम सांसद दर्शन सिंह चैधरी गोटेगांव विधायक महेंद्र नागेश, जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, समाजसेवी तथा विशिष्ट नागरिक सम्मिलित हुए। सभी ने सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेते हुए उनके सिद्धांतों को अपनाने का संकल्प लिया मार्च के दौरान युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों का उत्साह देखने मिला कई स्थानों पर स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों द्वारा प्रतिभागियों का स्वागत कर पेयजल एवं अल्पाहार की व्यवस्था की गई।

श्रम कर आत्मनिर्भर बने युवा: मंत्री श्री पटेल

उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया देश की एकता और अखंडता के प्रतीक लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से सम्पन्न यह 150 यूनिटी मार्च पदयात्रा सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने का माध्यम बनी आज हमें एक जुट होने की आवश्यकता है अगर हम एक जुट होंगे तो कोई भी बुराई हमारे नजदीक नहीं आ सकती हम आर्थिक रूप से सम्पन्न है लेकिन हमें शारीरिक रूप से भी संपन्न होने की आवश्यकता है हम सशक्त होंगे तब ही हम अपने परिवार अपने गांव अपने देश के लिए कुछ करने में सक्षम होंगे युवाओं को नशे से दूर रहने की बात कहते है हुए कहा कि हमारी युवा पीढ़ी श्रम से संकोच ना करे आप श्रम करे आत्मनिर्भर बने किसी पर निर्भर ना रहे आप सशक्त होंगे तभी आप सुरक्षित रह सकते है भारत ने वैक्सीन बनाई ओर दूसरे देशों को दी जिन अंग्रेजों ने हम पर राज किया उन्हें पीछे छोड़ आज हम 5 बे नंबर की अर्थव्यवस्था बने है आपने वा अपने परिवार की सुरक्षा के लिए आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता है और हमें सरदार बल्लभ भाई पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को बेहतर बनाए उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में नर्मदापुरम सांसद दर्शन सिंह गोटेगांव विधायक महेंद्र नागेश पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक जिला पंचायत उपाध्यक्ष अनीता ठाकुर नगर पालिका अध्यक्ष सुशीला ममार सहित विभिन्न मंडल अध्यक्ष सहित गणमान्य नागरिक पत्रकार बंधु मौजूद रहे।

नई पीढ़ी को दें सेवा व संस्कार

ग्रामीणों ने देश की एकता और विकास में अपनी सहभागिता का संकल्प भी दोहराया यात्रा के समापन स्थल ग्राम कोदसा में नर्मदापुरम सांसद दर्शन सिंह ने कहा कि देश को समृद्ध बनाने हमारे किसान भाई और हमारे जवान युवाओं की सक्रिय भूमिका है आज हम हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए जो पौधा रोपण करेंगे वह भविष्य में हमे नजर आयेगा हम संस्कार और सेवा के भाव को आज आने वाली पीढ़ी को देगे तो हमारा आने वाला भविष्य उज्ज्वल होगा भारतीय जनता पार्टी की सरकार सदैव देश के किसानों के हितों की चिंता की है आयोजित जनसभा में मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर यह यूनिटी मार्च उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के साथ-साथ देशहित में कार्य करने का संदेश देता है।

जिला अधिवक्ता संघ के भवन का हुआ लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

विगत दिवस जिला अधिवक्ता संघ के अधिवक्तागण के लिए पूर्व राज्यसभा सांसद व सदस्य कैलाश सोनी ने अपनी संसद निधी से अधिवक्तागण के बैठक कक्ष हेतु दस लाख रुपये की राशि उपलब्ध करवाई थी, जिसका निर्माण कार्य का भूमि पूजन म. प्र. उच्च न्यायालय जबलपुर के पोर्टफोलियो न्यायाधीश द्वारकाधीश बंसल एवं रास सांसद के द्वारा किया गया था। निर्माण कार्य पूर्ण होने पर न्यायमूर्ति विनय सराफ म.प्र. उच्च न्यायालय जबलपुर, पोर्टफोलियो जज नरसिंहपुर एवं पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी के मुख्य आतिथ्य ,कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिलेश शुक्ला, तथा म.प्र. उच्च. न्यायालय जबलपुर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष धन्यकुमार जैन के विशिष्ठ आतिथ्य में लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला अधिवक्ता संघ के सचिव सुलभ जैन व्दारा एवं आभार जिला अधिवक्ता संघ के कोषाध्यक्ष जगदीश प्रसाद साहू ने किया। जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मुकेश शर्मा के नेतृत्व में व्दै मुख्य आतिथ्य गण। विशिष्ठ अतिथि, कार्यक्रम अध्यक्ष, जिला अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी गण उपाध्यक्ष विवेक नेमा, सहसचिव मनोज कुमार साहू, कोषाध्यक्ष जगदीश प्रसाद साहू, लाइब्रेरियन विनय चौधरी, वरिष्ठ व कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य एवं समस्त अधिवक्तागण की उपस्थित रहे।

मैराथन दौड़ के साथ विधिक सेवा सप्ताह का भव्य शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के आदेशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर के अध्यक्ष अखिलेश शुक्ला के मार्गदर्शन में न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह का शुभारंभ रविवार 09 नवंबर को विधिक सेवा दिवस के अवसर पर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मैराथन दौड़ से हुई, जिसे न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं तथा विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में न्यायमूर्ति शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि सामान्य नागरिकों तक न्याय की पहुँच सुनिश्चित करने के लिए हर व्यक्ति को जागरूक होना आवश्यक है।मैराथन में पी.जी. कॉलेज के विधि संकाय, एमआईएमटी कॉलेज, उत्कृष्ट विद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित न्यायाधीशगण, अधिवक्ता, शिक्षक एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारीगण ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष मुकेश शर्मा, जिला न्यायाधीश कीर्ति कश्यप, आलोक मिश्रा, नीतिराज सिंह सिसोदिया, वैभव सक्सेना, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राकेश सनोडिया, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दिनेश मीणा, जिला रजिस्ट्रार राधाकृष्ण यादव, जिला विधिक सहायता अधिकारी राजेश सक्सेना, सचिव जिला अधिवक्ता संघ सुलभ जैन, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल विष्णु श्रीवास्तव सहित अन्य न्यायाधीशगण, अधिवक्ता एवं पीएलव्ही उपस्थित रहे। सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर एडीआर सेंटर में विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें विद्यार्थियों ने न्याय एवं विधिक सहायता से जुड़ी उपयोगी जानकारियाँ प्राप्त कीं।

राजनगर में बढ़ी सुरक्षा तीसरी आंख से होगी निगरानी

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में नगर की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने का प्रण था। असामाजिक तत्वो तथा अपराधों पर नियंत्रण रखने के उद्देश्य से नगर परिषद बनगवां (राजनगर) द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) अध्यक्ष यशवंत सिंह के नेतृत्व में नगर के प्रमुख स्थल बस स्टैंड राजनगर, सब एरिया बंगला चौराहा, काली मंदिर न्यू राजनगर थाना के पास चौक-चौराहों, भगत सिंह चौक, के मार्गो और सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इस कदम से नगर में सुरक्षा का माहौल और बेहतर हुआ है तथा नागरिकों में विश्वास की भावना जगी है। अध्यक्ष यशवंत सिंह ने बताया, कि हाल के दिनों में नगर में चोरी और असामाजिक गतिविधियों की घटनाएं सामने आ रही थीं। इन्हीं को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद ने यह निर्णय लिया, कि अब पूरे क्षेत्र को सीसीटीवी कैमरे से निगरानी में लाया जाएगा। उन्होंने कहा, “राजनगर को एक सुरक्षित और स्मार्ट नगर बनाना हमारी प्राथमिकता है। सीसीटीवी कैमरे इस दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरुआत हैं। इस अभियान को सफल बनाने के लिए नगर परिषद बनगवां (राजनगर) ने रामनगर थाना प्रभारी सुमित कौशिक और मुख्य नगर पालिका अधिकारी राममिलन तिवारी के साथ संयुक्त बैठक की गयी। बैठक में यह तय किया गया, कि जिन क्षेत्रों में असामाजिक गतिविधियां अधिक होती हैं, या जहां भीड़भाड़ रहती है, वहाँ कैमरे प्राथमिकता से लगाए जाएं। थाना प्रभारी सुमित कौशिक ने बताया, कि कैमरों के लगने से पुलिस की जांच प्रक्रिया आसान होगी। “अब किसी भी घटना के तुरंत बाद फुटेज देखकर अपराधियों की पहचान की जा सकेगी। यह न केवल अपराध नियंत्रण में मदद करेगा। बल्कि जनता में भी सुरक्षा की भावना को बढ़ाएगा,” उन्होंने कहा, नगर परिषद के पहले चरण में बस स्टैंड चौक, थाना रोड, वार्ड नंबर 5 सब एरिया ऑफिस के सामने, बाजार क्षेत्र और मुख्य मार्गों पर उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे नगर परिषद के नियंत्रण कक्ष से सीधे जुड़े हैं, जहां चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है। नगर परिषद अधिकारी राममिलन तिवारी ने कहा, कि यह पहल केवल अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक आयोजनों और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने में भी सहायक होगी। उन्होंने बताया, कि कई बार त्यौहारों या जुलूसों के दौरान ट्रैफिक और भीड़ की स्थिति पर नज़र रखना कठिन होता है, लेकिन अब कैमरों के जरिए समय पर कार्यवाही की जा सकेगी। नगरवासियों ने भी इस पहल की सराहना की है। स्थानीय निवासी सतीश द्विवेदी ने कहा, “कैमरे लगने से लोग सावधान हो गए हैं। पहले रात में कई जगह चोरी की घटनाएं होती थीं, अब उनमें कमी आई है।” व्यापारी जायसवाल इलेक्ट्रिकल्स एवं इलेक्ट्रॉनिक बस स्टैंड राजनगर के संचालक आनंद जायसवाल ने कहा, “व्यापारियों को भी अब अधिक सुरक्षा महसूस हो रही है। दुकान और आसपास की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है।” नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह ने कहा कि आने वाले समय में सीसीटीवी प्रणाली को स्मार्ट सर्वर सिस्टम से जोड़ा जाएगा, जिससे पुलिस मुख्यालय को भी फुटेज की सीधी पहुंच मिल सके।

विद्या भारती सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम सरस्वती विद्यालय में

गोटेगांव

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गोटेगांव में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन की उपाध्यक्ष श्रीमती सुमनलता पटेल अध्यक्षता पूनम ठाकुर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती श्रद्धा चौकसे नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती अंजनी सोनी मंडल अध्यक्ष भाजपा श्रीमती मनीषा राय कलचुरी समाज महिला अध्यक्षवक्त श्रीमती प्रवीणा गोस्वामी श्रीमती ऋतु जैन प्राचार्या श्रीमती ममता पाटिल जिला संयोजिका सप्तशक्ति संगम श्रीमतीस्नेह लता श्रीवास्तव कार्यक्रम में प्रस्तावना जिला संयोजिका ने भारतीय नारी मात्र एक व्यक्ति नहीं आपूर्ति एक संपूर्ण चेतन है जो परिवार की आधारशिला समाज की प्रेरणा राष्ट्र की आत्मा है नारी संपूर्ण मानवतावा प्रकृति के प्रति दायित्व धरनी के रूप में सदियों से प्रतिष्ठित रही है सुश्री तनु जैन ने उद्देश्य प्रस्तुत करते हुए आज समाज को कुटुम बालक की एवं बालक के समग्र विकास में माता की भूमिका एवं विद्यालय में सरस्वती शिशु मंदिर जो संस्कार के साथ-साथ राष्ट्र भावनाओं को जागृत कर रहा है यह हमारा उद्देश्य है श्रीमती प्रवीणा गोस्वामी ने संतान माता-पिता के दो शरीरों को एक प्राण देती है इसलिए संतान को आत्मज कहा जाता है अधिकार से कर्तव्य को अधिक माना जाता है तभी मन विस्तारित और परिवार सुरक्षित होता है श्रीमती ऋतु जैन ने भारत के विकास में महिलाओं के योगदान पर चर्चा करते हुए आज पश्चिमी जगत के प्रभाव से जहां परिवार संस्था टूट रही है वही हमें पुनः सशक्त करने के लिए महिलाओं को आगे आना होगा हम मातृ देवो भव कहते हैं कार्यक्रम की प्रमुख श्रृंखला में प्रश्न मंच का कार्यक्रम नारी शक्ति के बीच में अनुकरणीय रहा प्रश्न मंच में अनामिका पटेल रूपाली पटेल रितु पटेल रंजीत श्रीवास्तव ममता पटेल ममता यादव ने प्रश्न मंच कार्यक्रम में भाग लिया कार्यक्रम में वीरांगना की भूमिका में भूमि पटेल पूर्वी पटेल स्नेहा पटेल मधु लोधी दिव्या पटेल समीक्षा पटेल प्राची पटेल जिया झरिया आरती श्रीवास्तव पाशी पटेल शिवानी पटेल समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विशिष्ट महिलाओं का सम्मान किया गया मुख्य अतिथि श्रीमती सुमन लता पटेल ने अपने उद्बोधन में नारी शक्ति को जागृत करने हेतु अपने विचार रखें श्रीमती पूनम ठाकुरद्वारा अध्यक्ष की भाषण दिया गया कार्यक्रम का संचालन आरती पटेल द्वारा किया गया नारी शक्ति कार्यक्रम में 300 से 400 महिलाओं का उपस्थिति इस अवसर पर विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए एवं पुरस्कार वितरण भी संपन्न हुआ।कार्यक्रम का वातावरण शिक्षा, संस्कार और राष्ट्रभावना से ओतप्रोत रहा, जिसने सभी को प्रेरित किया।संगीता नामदेव कार्यक्रम में इनकी मुख्य भूमिका रही श्रीमती संगीता नामदेव सविता राजपूत नीतू नेमा जैन बिना नगरिया तुलसा नामदेव आरती राजपूत पूजा यादव ज्योति दुबे कल्पना चौरसिया अंजना दीक्षित पूनम नेमा सहित विद्यालय परिवार एवं नगर से आई हुई मातृशक्ति की उपस्थिति रही

गन्ने के खेत में लगी आग

दो एकड़ की फसल और कृषि उपकरण जलकर हुये राख

तेंदूखेड़ा

विगत दिवस समीपी ग्राम भामा में कृषक श्री अशोक त्रिपाठी के खेत में अज्ञात कारणों के चलते गन्ने के खेत में अचानक आग लग जाने से लगभग दो एकड़ की फसल जलकर नष्ट हो गई है। तथा कृषि कार्य में उपयोग आने वाले पाइप नोजल स्टार्टर विद्युत केबिल लाइन जलकर राख हो गई है।कोली पर खेती देख रहे त्रिलोक सिंह ने तत्काल पड़ोसी किसानों को आबाज लगाई स्थानीय संसाधनों के माध्यम से आग बुझाते बुझाते दो एकड़ की फसल जल चुकी थी।जिसकी जानकारी राजस्व विभाग के अधिकारियों और पटवारियों एवं पुलिस थाने में सूचना दर्ज कराई है।